बाधिता, अक्षमता और विकलांगता
(Impairment, Disability and Handicappedness)

भूमिका :—

अक्षमता की अवधारणा बहुत व्यापक है। इसके अन्तर्गत शारीरिक एवं मानसिक रूप से अयोग्य बालक सम्मिलित किये जाते हैं। इस प्रकार अक्षमता की अवधारणा में मानसिक मंदता, पिछड़ापन, विकलांगता, बाधिता तथा अधिगम अक्षमता का अध्ययन किया जाता है।

अतः निःशक्तता या अक्षमता, बाधिता एवं विकलांगता की अवधारणा को निम्नलिखित रूप से स्पष्ट किया जा सकता है :—

1. शारीरिक निःशक्तता (Physical disability) —

प्रायः देखने में आता है कि कुछ बालक शारीरिक रूप से निर्बल एवं अस्वस्थ होते हैं। ऐसे बालक को अक्षम बालक और उनकी इस स्थिति को अक्षमता के रूप में जाना जाता है। प्रमुख रूप से ऐसे बालकों में निर्बलता या अस्वस्थता हृदय रोग, सूखा रोग, मिर्गी, ग्रन्थि असन्तुलन, सांस रोग, रक्त अल्पता तथा टी. बी. आदि बीमारियों के कारण होती है। ऐसे बालकों की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित होती हैं :—

(1) ये दीर्घकालिक बीमारी के कारण शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं।

(2) ऐसे बालक स्वास्थ्य के प्रति चिन्ताग्रस्त होते हैं।

Scanned with CamScanner

(3) निरंतर बीमार रहने के कारण ऐसे बालकों में शक्ति का ह्रास होता है तथा रक्त की कमी के कारण ग्रन्थि सम्बन्धी दोष उत्पन्न हो जाते है।

(4) निर्धन परिवारों में निर्बल बालक-बालिकाओं की संख्या अधिक पायी जाती है।

(5) सदैव बीमार रहने के कारण ऐसे बालकों का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है।

(6) शारीरिक रूप से कमजोर बालक अधिक बुद्धिलब्धि वाले होते है परंतु शारीरिक दुर्बलता के कारण वे अधिक शैक्षिक कार्य नहीं कर पाते।

(7) ऐसे बालक अधिक परिश्रम भी नहीं कर पाते क्योंकि इनको शीघ्र थकान हो जाती है।

(8) निर्बल बालक कक्षा में सामान्य बालकों से बहुत पीछे रह जाते हैं क्योंकि वे पढ़ायी की ओर अधिक ध्यान नहीं दे पाते।

(9) ऐसे बालकों का शारीरिक विकास बहुत धीमी गति से होता है अथवा अवरुद्ध रहता है।

(10) अधिक परिश्रम करने के प्रयास के कारण वे और अधिक बीमार हो जाते हैं।

(11) निर्बल बालक खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में भाग नहीं लेते।

(12) ऐसे बालकों के परीक्षणों से पता चला है कि इस प्रकार के बालकों को संतुलित भोजन भी नहीं मिल पाता।

Scanned with CamScanner

2. बाधिता (Impairedness) — बाधित बालकों से तात्पर्य ऐसे बालकों से है, जिनके द्वारा कार्य करने में शारीरिक बाधा उत्पन्न होती है। जो शारीरिक रूप से अपंग हो, कम सुनायी देता हो, हर समय बीमार रहते हों, कम दिखायी देता हो अथवा बोलने में कठिनाई होती हो। ऐसे बालक शारीरिक रूप से तो विकलांग होते हैं परंतु मानसिक रूप से पूर्ण सक्षम होते हैं। इन बालकों की अपनी अलग-अलग समस्याएं होती हैं जो कि निम्नलिखित हैं :—

(i) आत्म-विश्वास का अभाव :— प्रायः सभी बाधित बालकों में आत्म-विश्वास का अभाव पाया जाता है। ये बालक सदैव अपने स्वास्थ्य तथा भविष्य के प्रति चिन्तित रहते हैं। उनके उत्साह में निरंतर कमी आती रहती है, फलस्वरूप वे चिड़चिड़े हो जाते हैं।

(ii) आत्महीनता की भावना :— शारीरिक रूप से बाधित बालक मानसिक रूप से पूर्णतया विकसित एवं सक्षम होते हैं परंतु इन बालकों में आत्महीनता की भावना का विकास हो जाता है। इसका कारण यह है कि अपनी शारीरिक विकृति के कारण ये अपने समूह में उपहास के पात्र बन जाते हैं। ऐसे बालक सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यों में भाग नहीं ले पाते। ये सामान्य बालकों की तरह खेलों में न तो भाग

Scanned with CamScanner

लेते हैं न ही रुचि।

(iii) एकाकीपन की समस्या :- शारीरिक रूप से अपंग बालक एकाकीपन अनुभव करते हैं क्योंकि वे अपने साथियों मे घुल-मिल नही पाते।

इसके अतिरिक्त बाधित बालक प्राय: शर्मीले, अन्तर्मुखी, निष्क्रिय, आत्मकेन्द्रित संवेगात्मक रूप से अस्थिर तथा कुसमायोजित हो जाते हैं वे अपने आप को सामाजिक दृष्टि से अयोग्य एवं अपर्याप्त मानने लगे हैं। ये बातें ऐसे बालको की शिक्षा के विकास मे बाधक होती हैं।

(3.) विकलांगता (Handicapped) - विकलांगता मे मानसिक रूप से या शारीरिक रूप से अक्षम होना एक दोष है फलत: बालक इस दोष के कारण सही ढंग से सीखने खेलने तथा पर्याप्त सामाजिकता की उपलब्धि मे कठिनाई अनुभव करते हैं शिक्षाविदों द्वारा विकलांगता की निम्नलिखित परिभाषायें दी गयी हैं —

(1) श्री बी.जी. तिवारी के अनुसार — विकलांगता एक ऐसी स्थिति है जो किसी भी अवस्था मे समान्य व्यवहार, कार्यशक्ति एवं निपुणता को न्यूनाधिक प्रभावित कर आंगिक, मानसिक सामाजिक एवं भावात्मक असंन्तुलन उत्पन्न कर देती है।

Strong reasons make strong actions.

Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th June

Scanned with CamScanner

24 (ii) क्रो एवं क्रो ने विकलांगता की परिभाषा देते हुए स्पष्ट किया है कि - बालक जिसका शारिरिक दोष उसे साधारण क्रियाओ मे भाग लेने से रोकता है अथवा सीमित रखता है, शारिरिक अक्षमता से युक्त बालक कहा जायेगा समय - समय पर विकलांगता की स्थिति मे परिवर्तन होता रहा है पहले ऐसे बालको को समाज पर आश्रित एवं दया के पात्र के रूप मे माना जाता था परन्तु आज ऐसी स्थिति नही है आज इनकी उपचारी व्यवस्थाएँ सन्तोषप्रद है।

विकलांगता की विशेषताएँ (characteristics of - handicapped) सामान्यतः विकलांगता की निम्नलिखित विशेषताएँ है।

(i) विकलांग बालक समान्य बालको की अपेक्षा शारिरिक रूप से अक्षम तथा निर्बल होते है।

(ii) विकलांग बालको की मानसिक की मानसिक योग्यता एवं बुद्धिलब्धि सामान्य बालको जैसी अथवा उनसे अधिक होती है।

(iii) विकलांग का दोष बालको को शिक्षा प्राप्त करने मे बाधक होता है।

(iv) विकलांग बालक सामाजिक कार्यक्रमो मे सक्रियता से भाग नही लेते। इनमे एकाकीपन की भावना विद्यमान रहती है।

❖ None but the brave deserve the fair.

May Sa 1 Su 2 Mo 3 Tu 4 We 5 Th 6 Fr 7 Sa 8 Su 9 Mo 10 Tu 11 We 12 Th 13 Fr 14 Sa 15 Su 16 Mo 17 Tu 18 We 19 Th 20 Fr 21 Sa 22 Su 23 Mo 24 Tu 25 We 26 Th 27 Fr 28 Sa 29 Su 30 Mo 31

Scanned with CamScanner

NOTES

APPOINTMENTS

25

(v) विकलाँग बालक समाजिक दृष्टि से भी भली-भाँति समायोजन नहीं कर पाते फलतः अपने साथियो तथा समाज के अन्य व्यक्तियो द्वारा उपहास के पात्र बनते है।

(vi) विकलाँग बालको मे अपनी शारिरिक अपंगता के कारण हीन भावना पैदा हो जाती है जो उनके व्यक्ति को बोझा बनाये रखता है।

(vii) विकलाँग बालक अपनी विकलाँगता की कमी किसी न किसी दूसरे क्षेत्र मे पूर्ण कर लेते है जैसे — किसी कलात्मक कार्य मे प्रवीणता, संगीत मे रुचि तथा वाद-विवाद एवं अध्ययन मे बहुत आगे है।

विकलाँगता की पहचान — (Idenification of handic-apped) विकलाँगता बालको की पहचान उनके व्यवहार चलने फिरने, बैठने-उठने तथा उनकी शारिरिक प्राकृति से की जा सकती है। इसके अतिरिक्त उनके कार्य करने की विधि, कार्यक्षमता तथा कार्य के परिणाम आदि से भी उनकी पहचान की जा सकती है।

Scanned with CamScanner